मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया के पर्यावरण विज्ञान विभाग ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस; जामिया परिसर में गूंजा 'एंडिंग प्लास्टिक पोल्युशन ग्लोबली" का थीम**

नई दिल्ली, 06 जून, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के पर्यावरण विज्ञान विभाग ने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 4 और 5 जून 2025 को दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इस वर्ष के वैश्विक विषय: "प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना" के अनुरूप, पर्यावरण संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और ज्ञान का प्रसार करना था। जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय सहित अन्य संस्थानों के छात्रों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया, बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

विश्व पर्यावरण दिवस (डब्ल्यूईडी) की स्थापना 1972 में स्टॉकहोम में आयोजित मानव पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दौरान की गई थी। उसी वर्ष बाद में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में नामित किया। पहला उत्सव 1973 में "ओनली वन अर्थ" थीम के साथ मनाया गया था, जो तब से पर्यावरण जागरूकता के लिए दुनिया के सबसे बड़े मंच के रूप में विकसित हो गया।

भारत के प्रमुख केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने लगातार इस मिशन में सक्रिय भूमिका निभाई है। विश्वविद्यालय पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और देशभर में स्वच्छता पहल का समर्थन करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है। अपनी शैक्षणिक, शोध और आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से, जामिया मिल्लिया इस्लामिया प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता हानि और हमारे ग्रह के सामने आने वाली व्यापक पर्यावरणीय चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

पहले दिन, 4 जून 2025 को "विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना" थीम के तहत क्विज़, फ़ोटोग्राफ़ी और पोस्टर-मेकिंग सहित छात्र प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। जेएमआई और अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने रचनात्मकता और पर्यावरण जागरूकता का प्रदर्शन करते हुए कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

5 जून 2025 को, विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के समापन के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मीर तकी मीर हॉल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। विशिष्ट अतिथियों और पर्यावरण विशेषज्ञों ने "प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना" विषय पर व्यावहारिक व्याख्यान दिए, जिसमें स्थायी प्रथाओं और पारंपरिक पर्यावरण-अनुकूल मूल्यों पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह के स्वागत भाषण से हुआ, जिन्होंने मौजूदा समस्या पर संक्षेप में प्रकाश डाला, इसके बाद इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय की डीन प्रो. डॉ. मिनी शाजी थॉमस ने स्वागत भाषण दिया। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के कार्यवाहक रजिस्ट्रार प्रो. अबुजर खैरी ने भी पर्यावरण से जुड़े बड़े मुद्दों और विशेष रूप से प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या को रोकने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी साझा की। उन्होंने इस दिशा में उठाए गए विभिन्न प्रशासनिक और अन्य उपायों पर चर्चा की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. प्रमोद कुमार, श्री अरबिंदो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और पूर्व रजिस्ट्रार, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने अवधारणा को विस्तार से समझाया: प्लास्टिक प्रदूषण कैसे शुरू होता है, इसके बाद जैव संचय और जैव आवर्धन होता है, फिर इसके विषाक्त प्रभाव होते हैं, जो फिर प्रदूषण के सूक्ष्म और नैनो स्तरों को जन्म देते हैं; इसलिए, इस स्तर पर प्रदूषण का प्रभाव विनाशकारी होता है। डॉ. प्रमोद कुमार ने हरित योजना जैसे संभावित समाधानों के बारे में भी बताया और इस समस्या को रोकने के लिए उनके संगठन द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से नया उत्पाद खरीदने की बजाय पुनः उपयोग और रीसाइकिल पर अधिक ध्यान देने को कहा। भूमि प्रदूषण और अपशिष्ट लैंडफिल के बारे में मुख्य अतिथि द्वारा दी गई मूल्यवान अंतर्दृष्टि ने इस बात की तार्किक व्याख्या प्रदान की कि हम सभी को प्लास्टिक का उपयोग तुरंत क्यों बंद कर देना चाहिए।

अपने अत्यंत दार्शनिक और हृदयस्पर्शी स्वागत भाषण में, माननीय कुलपति प्रोफेसर मज़हर आसिफ़ ने ईश्वर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शुद्ध विचारों और सकारात्मक इरादों की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर दिया। उन्होंने टिप्पणी की कि आंतरिक स्पष्टता और सद्भावना बाहरी पर्यावरणीय सुधारों में प्रकट हो सकती है, जो व्यक्तिगत आचरण और पारिस्थितिक कल्याण के बीच गहरे अंतर्संबंध को उजागर करती है।

इस कार्यक्रम का समापन प्रतियोगिताओं के विजेताओं की उपलब्धियों की घोषणा करते हुए एक औपचारिक पुरस्कार समारोह के साथ हुआ। इसलिए यह स्मरणोत्सव पर्यावरणीय स्थिरता प्रयासों में सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देने और छात्रों को प्रासंगिक मुद्दे पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय करता है। कार्यक्रम का समापन सामुदायिक जुड़ाव गतिविधियों की एक श्रृंखला के साथ हुआ, जिसमें वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान और पर्यावरण जागरूकता मार्च शामिल थे।

माननीय कुलपति के जागरूकता आह्वान पर विश्वविद्यालय के सभी विभागों ने विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और इसके सफल क्रियान्वयन में अपना योगदान दिया। माननीय कुलपति, रजिस्ट्रार और डीन का भरपूर सहयोग इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक रहा।

"प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना" थीम पर आधारित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और प्लास्टिक के उपयोग को कम करना था। यह कार्यक्रम ज्ञानवर्धक और प्रभावशाली साबित हुआ, जागरूकता बढ़ाई और प्रतिभागियों को टिकाऊ, प्लास्टिक-मुक्त प्रथाओं के लिए खुद को प्रतिबद्ध करने के लिए प्रेरित किया।

प्रोफ़ेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया